डायोरामा

पादुका ग्रहण

१०' x २०' x ८'

व्यथित हृदय भरत ने व्याकुल होकर राम से कहा – ''भैया! कम से कम आप अपनी पादुकाएं ही मुझे दें। उन्हें राज-सिंहासन पर प्रस्थापित कर मैं आपके लौटने तक सेवक के रूप में राज-काज संभालता रहूँगा।'' क्या नेतृत्व करने वाले लोग राम और भरत के आचरण से सबक सिखेंगे ?

Bharat said in anguish, "Brother! At least give me your padukas (sandals). I will place them on the throne as your symbol, and will serve the people of Ayodhya, and rule in your place until you return."